ढाई लाख से ज्यादा भक्तों ने किए रणजीत बाबा के दर्शन

▶ भक्तों के लिए लाइनों में विशेष सुविधा

नव भारत न्यूज

इंदौर. आज हनुमान जयंती पर रणजीत बाबा के दर्शन के लिए भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा. शाम 7 बजे तक करीब ढाई लाख से ज्यादा भक्तों ने दर्शन कर लिए थे और देर रात तक दर्शन का सिलसिला निरंतर चलता रहेगा. इस बार मंदिर समित ने भक्तों के लिए लाइनों में विशेष खानपान के सुविधा की.

आज हनुमान जयंती पर शहर के विभिन्न हनुमान मंदिरों पर दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ लगी रही. शहर प्रसिद्ध और आस्था के सबसे बड़े केंद्रों में से एक रणजीत हनुमान मंदिर पर सुबह चार बजे से ही भक्तों दर्शन हेतु लाइन लग गई थी. स्थिति यह हो गई है दिन उगने के साथ मुख्य सड़क पर लंबी लंबी लाइन लग गई. मंदिर परिसर में बनाया टेंट शामियाना और रैलिंग में भारी भीड़ जमा हो गई. रणजीत हनुमान परिसर में भक्तों के लिए सुबह से देर रात तक अलग-अलग समूहों द्वारा भजन संध्या की जा रही है. साथ परिसर में 40 से ज्यादा कूलर और पंखे लगाए गए है. परिसर में स्थित रेलिंग के रास्ते में भक्तों को शरबत, फ्रूट सलाद, ज्यूस, ठंडा पानी और छाछ वितरण किया जा रहा है. ध्यान रहे कि रणजीत हनुमान बाबा का श्रृंगार सूरत से विशेष रूप से तैयार करके बुलवाई गई ड्रेस में केसरिया महल बनाकर किया गया है. आज सुबह बाबा की काकडा आरती होगी. सुबह 6 बजे महाआरती हुई और उसके बाद मंदिर में बाबा के दर्शन हेतु भक्तों की लाइन लगी हुई है.

चलित भंडारा 7 अप्रैल को

मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित दीपेश व्यास ने बताया कि सुबह महाआरती के समय 20 हजार भक्त मौजूद थे. इसके बाद से लगातार भक्तों के दर्शन करने आने का सिलसिला निरंतर चल रहा है. अभी शाम तक करीब ढाई लाख से ज्यादा भक्त बाबा के दर्शन कर चुके हैं. पुलिस और प्रशासन के विशेष सहयोग से भक्तों को भी गर्मी के हिसाब से सुबह से ही पानी से लेकर शरबत, छाछ आदि वितरित किया जा रहा है. बाबा का चलित भंडारा 7 अप्रैल को आयोजित होगा, जिसमें 50 हजार भोजन प्रसादी के पैकेट वितरित किए जाएंगे.

आईडीए का यह कैसा बजट...?

▶ पिछले साल के प्रावधान हटाए और नए प्रस्ताव रख दिए

नव भारत न्यूज

इंदौर. इंदौर विकास प्राधिकरण ने मंगलवार को सालाना बजट पेश किया. बजट में पिछले बजट में किए प्रावधान हटा दिए गए और उनकी जगह नए प्रस्ताव रख दिए गए. इससे जाहिर होता है कि बजट में विकास के प्रावधान सिर्फ दिखावटी होते है ऑफ प्राथमिकता कुछ और होती है,

आईडीए ने इस साल अपना मूल बजट पेश किया, इसकी तारीफ की जा सकती है, क्योंकि आईडीए ने साल की आय और व्यय की राशि पर योजना और प्रस्ताव बनाए है. यह अच्छी पहल मानी जा सकती है कि मूल कमाई पर खर्च तय किया गया है. इससे उलट एक गलती भी कर दी है कि पुराने बजट में किए प्रावधान को हटा दिया गया या उन प्रस्तावों के आगे बढ़ाने के लिए बजट में राशि नहीं रखी गई. इसको ऐसा देखा जा सकता है कि पिछला बजट 1597 करोड़ रुपए का पेश किया गया था और उसमें चलित योजनाओं के लिए राशि आवंटित की गई थी. इसके उलट बजट में धार और भोपाल रोड पर आईएसबीटी का प्रावधान, टिगरिया बादशाह तालाब का सौंदर्यीकरण, मोरोद में नई अनाज मंडी निर्माण और एमआर-12 का एक तरफ का 3 लेन फ्लाई ओवर ब्रिज जैसे काम के प्रस्ताव के लिए राशि आवंटित नहीं की गई हैं. वहीं इस साल बजट में 3 फ्लाई ओवर निर्माण, इलेक्ट्रिफिकेशन कार्य हेतु 11 सौ करोड़, 1800 सौ करोड़ पीपीपी मॉडल पर कन्वेंशन सेंटर, स्टार्टअप पार्क निर्माण और 1000 हजार करोड़ से विभिन्न खेल गतिविधियों के लिया नए स्टेडियम का प्रावधान है.

एक नजर में

फोर्स मोटर की बिक्री में 20% उछाल

इंदौर. जब गाड़ियों की बिक्री बढ़ती है, तो इसका सीधा मतलब होता है कि ग्राहकों का भरोसा भी उतना ही मजबूत हो रहा है. आज लोग ऐसी गाड़ियाँ चाहते हैं, जो आरामदायक हों, टिकाऊ हों और खर्च के मामले में भी संतुलित रहें और फोर्स मोटर्स इस भरोसे पर खरी उतरती दिख रही है. फोर्स मोटर्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 में 36,536 यूनिट्स की घरेलू बिक्री दर्ज की, जो पिछले साल के 30,531 यूनिट्स के मुकाबले 20% ज्यादा है. इस ग्रोथ के पीछे शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में बढ़ती माँग और मजबूत प्रोडक्ट रेंज का बड़ा योगदान रहा. फोर्स मोटर्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रसन फिरोदिया ने कहा इस साल का हमारा प्रदर्शन दिखाता है कि हम अपने बिज़नेस को किस तरह एक नई और मज़बूत दिशा दे रहे हैं. हमारा पूरा ध्यान उन सेगमेंट्स पर है, जहाँ हमें पूरा यकीन है कि हम नेतृत्व कर सकते हैं. कंपनी के फ्लैगशिप प्रोडक्ट फोर्स ट्रैवलर ने एलसीवी सेगमेंट में 70% से ज्यादा हिस्सेदारी बनाए रखी. वहीं, अर्बानिया की बिक्री में 100% से ज्यादा की बढ़त हुई, जो प्रीमियम और आरामदायक सफर की बढ़ती माँग को दर्शाती है.

प्रेस्टीज यूनिवर्सिटी इंदौर ने डॉ. पडलकर को डीन-एकेडमिक्स नियुक्त किया

इंदौर. प्रेस्टीज यूनिवर्सिटी इंदौर ने डॉ. मिलिंद पडालकर को प्रोफेसर और डीन (एकेडमिक्स) नियुक्त किया है. आईआईटी दिल्ली, आईआईएम अहमदाबाद और आईआईएम कोझिकोड (पीएचडी) के पूर्व छात्र डॉ. पडालकर लगभग 30 वर्षों का आईटी और सिस्टम्स इंटीग्रेशन इंडस्ट्री में कॉर्पोरेट लीडरशिप का अनुभव रखते हैं. डॉ. पडालकर की नियुक्ति पर बात करते हुए वाइस चांसलर प्रो. कीयूर पुराणी ने कहा प्रेस्टीज यूनिवर्सिटी इंदौर और मध्य प्रदेश के तेजी से विकसित हो रहे अकादमिक और इंडस्ट्री इकोसिस्टम का हिस्सा है. डॉ. पडालकर का वैश्विक कॉर्पोरेट्स और प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में अनुभव और एक्सपोजर हमें मजबूत अकादमिक सिस्टम विकसित करने के साथ-साथ इंडस्ट्री के साथ सार्थक जुड़ाव को बढ़ावा देने में मदद करेगा. डॉ. मिलिंद पडालकर ने कहा मेरी प्राथमिकता मजबूत प्रक्रियाएं स्थापित करने, स्टूडेंट एंगेजमेंट को बढ़ाने और इंडस्ट्री कनेक्ट को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करने की होगी.

हनुमान जयंती पर सामूहिक 'गदा पूजन'

इंदौर. आज संपूर्ण विश्व युद्ध जैसी स्थिति के कगार पर खड़ा है। इतिहास का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि जिन-जिन युद्धों में हनुमानजी विराजमान रहे हैं, वहां विजय निश्चित हुई है. ऐसे समय में प्रत्येक हिंदू में मारुति जैसे शौर्य, शक्ति और भक्ति का जागरण हो तथा आनेवाले कठिन समय में उनके आशीर्वाद से हिंदुओं की विजय सुनिश्चित हो, इसी संकल्प के साथ श्री हनुमान जयंती के अवसर पर हिंदू जनजागृति समिति की ओर से देशभर में 850 से अधिक स्थानों पर सामूहिक 'गदा पूजन' किया गया. महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा आदि राज्यों में आयोजित सामूहिक गदापूजन में हजारों युवाओं ने सहभाग लिया. मध्य प्रदेश के इंदौर, मंदसौर तथा उज्जैन में गदापूजन किया गया. 'गदा पूजन' विधि, श्री हनुमान जी की आरती, मारुति स्तोत्र पाठ, शंखनाद एवं सामूहिक प्रार्थना के पश्चात 'श्री हनुमते नमः' का सामूहिक नामजप किया गया. इस अवसर पर 'रामराज्य की स्थापना हेतु मारुति के गुणों को कैसे आत्मसात करें' इस विषय पर मार्गदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में 'रामराज्य की स्थापना के लिए सामूहिक प्रतिज्ञा' ली गई.

ट्रेजर आइलैंड मॉल ने इन्फ्लुएंसर्स अवॉर्ड शो का आयोजन किया

इंदौर. ट्रेज़र आइलैंड मॉल, जोकि इंदौर के प्रमुख लाइफस्टाइल डेस्टिनेशनों में से एक है, ने हाल ही में एक विशेष इन्फ्लुएंसर्स अवॉर्ड शो का आयोजन किया. इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से 80-100 इन्फ्लुएंसर्स ने भाग लिया. यह आयोजन डिजिटल क्रिएटर्स के बढ़ते प्रभाव को पहचानने और सम्मानित करने के लिए एक सशक्त मंच साबित हुआ, जो विभिन्न उद्योगों में ट्रेंड्स और चर्चाओं को दिशा दे रहे हैं. प्रत्येक सहभागी इन्फ्लुएंसर को उनके विशिष्ट योगदान और प्रभाव के लिए सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में प्रतिस्पर्धात्मक तत्व जोड़ते हुए तीन उत्कृष्ट क्रिएटर्स को शीर्ष विजेता घोषित किया गया. इन विजेताओं का चयन उनके सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभाव, ऑडियंस एंगेजमेंट, मौलिकता और समग्र प्रभाव जैसे मानकों के आधार पर किया गया—जो आज के डिजिटल युग में इन्फ्लुएंसर्स की बदलती भूमिका को दर्शाता है. यह शाम नेटवर्किंग, सम्मान और उत्सव का शानदार संगम रही, जिसने ट्रेज़र आइलैंड मॉल की सामुदायिक पहलों को बढ़ावा देने और उभरती प्रतिभाओं को समर्थन देने की प्रतिबद्धता को मजबूत किया.

डेटॉल ने लॉन्च किया नया कैंपेन

इंदौर. डेटॉल अपने आइकॉनिक डेटॉल एंटीसेप्टिक लिक्विड के लिए एक नया भावनात्मक कैंपेन लेकर आया है. यह कैंपेन भावनाओं पर आधारित कहानी के जरिए परिवारों के साथ ब्रांड के जुड़ाव को मजबूत करता है और इसकी बेजोड़ सुरक्षा को उजागर करता है. लॉन्च पर रेकिट- साउथ एशिया के ईवीपी रीजनल डायरेक्टर गौरव जैन ने कहा रेकिट में हम मानते हैं कि हमारी जिम्मेदारी केवल उत्पाद उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है- हम एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए यहां हैं जहां लोग सुरक्षित महसूस करें, संरक्षित रहें और एक-दूसरे की देखभाल करने के लिए सक्षम बनें. डेटॉल इस मिशन के केंद्र में है. ओमनीकॉम इंडिया के चेयरमैन प्रसून जोशी ने कहा मुझे इस सरल और कहानी आधारित ब्रांड कम्युनिकेशन को लिखने में बहुत आनंद आया. डेटॉल हमेशा से देखभाल और सुरक्षा का प्रतीक रहा है. क्योंकि जब भी किसी बच्चे को चोट लगती है, चाहे वह छोटी हो या बड़ी, उसका पहला स्वाभाविक कदम अपनी मां के पास जाना होता है- जो उसका सबसे सुरक्षित स्थान होता है. और उसी पल में मां डेटॉल की ओर रुख करती है, जिस पर वह सबसे कीमती चीज़ की सुरक्षा के लिए भरोसा करती है. यही वह रिश्ता है जिसे हम जीवंत करना चाहते थे.

सिंहस्थ 2028 : उज्जैन-ओंकारेश्वर में बिजली ढांचा सुदृढ़, नए ग्रिड और हाईटेंशन लाइनें तैयार

नवभारत न्यूज

इंदौर. सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी उज्जैन और ओंकारेश्वर में बिजली व्यवस्था मजबूत कर रही है. उज्जैन के तलाई क्षेत्र में नया 33/11 केवी ग्रिड शुरू हो चुका है, जबकि चारधाम, वाल्मीकि धाम और नानाखेड़ा में कार्य जारी है.

शहर में 20 किमी उच्चदाब लाइन, 150 किमी केबल बिछाने और 150 ट्रांसफार्मर लगाने का काम प्रगति पर है. ओंकारेश्वर में मोरटक्का से 10.50 किमी हाईटेंशन लाइन स्थापित की गई है तथा नया सब स्टेशन बन रहा है. इन कार्यों से सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली सुविधा मिलेगी.

हाईकोर्ट ने फिर तलब किया कलेक्टर, निगम आयुक्त और डीसीपी को

नव भारत न्यूज

इंदौर. एक दिन पहले शहर में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई और दूसरे दिन शहर में आठ स्थानों पर यातायात जाम हुआ. यातायात जाम सिर्फ 10-15 मिनट का नहीं, बल्कि दो से तीन घंटे तक शहर में वाहन चालक परेशान होते रहे. उक्त विषय को लेकर आज फिर हाईकोर्ट में पूर्व के आदेश पालन और वर्तमान स्थिति को लेकर विशेष सुनवाई हुई. हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई पर कलेक्टर, निगम आयुक्त और डीसीपी यातायात को उपस्थित होने के निर्देश दिए है.

आज जनहित याचिका डब्ल्यू.पी. क्रमांक 12234/2019 की डिवीजन बेंच ने सुनवाई की. न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला एवं आलोक अवस्थी की बेंच ने वरिष्ठ अधिवक्ता अजय बागड़िया द्वारा राजलक्ष्मी फाउंडेशन की याचिका सुनवाई की. इस दौरान शहर में व्याप्त ट्रैफिक जाम, अव्यवस्थित यातायात प्रबंधन, ट्रैफिक सिग्नलों के समुचित संचालन के अभाव तथा नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े सवाल उठाए गए. सुनवाई में यह तथ्य रेखांकित किया गया कि उक्त प्रकरण में पूर्व में पारित आदेश, दिनांक 14.10.2019, आज भी पूर्ण कठोरता के साथ पालन हेतु प्रासंगिक है. उक्त आदेश हाईकोर्ट ने स्पष्ट रूप से यह निर्देश दिए थे कि शहर के सभी प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल 24 घंटे चालू और कार्यशील रखे जाएं. प्रमुख चौराहों पर विशेष रूप से पीक आवर्स में दो-दो ट्रैफिक कर्मियों/कॉन्स्टेबल्स तैनात किए जाएं. कांस्टेबल की तैनाती सुबह 8 बजे से 12 बजे तथा शाम 5 बजे से रात्रि 11 बजे तक प्रभावी हो. आज हाईकोर्ट ने पूर्व आदेश को पुन: दोहराते हुए कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए. याचिकाकर्ता ने कहा कि यह मुद्दा आम नागरिकों के सुरक्षित आवागमन, समय की रक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था और शहरी उत्तरदायित्व से जुड़ा हुआ है. मामले की गंभीरता को देखते हुए हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई पर कलेक्टर, निगम आयुक्त तथा डीसीपी ट्रैफिक को 20 अप्रैल को उपस्थित होने के लिए कहा है.

कोविड के बाद इन्दौर में अंगदान को मिली नई गति

▶ संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े की समीक्षा और विस्तार की रणनीति

नवभारत न्यूज

इन्दौर. इन्दौर सोसायटी फॉर ऑर्गन डोनेशन के अध्यक्ष एवं संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाडे ने आज एक महत्वपूर्ण बैठक लेकर अंगदान व्यवस्था की समीक्षा की. बैठक में विभिन्न चिकित्सा संस्थानों, सामाजिक संगठनों, आई बैंक और स्किन बैंक के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान अंगदान के प्रसार और बेहतर क्रियान्वयन के लिए नई योजनाओं पर चर्चा की गई.

बैठक में बताया गया कि कोविड महामारी के बाद इन्दौर संभाग में अंगदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है. इससे अनेक मरीजों को नया जीवन और स्वास्थ्य लाभ मिला है. वर्तमान में संभाग में 13 चिकित्सा संस्थानों को अंग प्रत्यारोपण की अनुमति मिली है, जिनमें से 11 संस्थान सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं. प्रमुख संस्थानों में राजश्री अपोलो हॉस्पिटल, चोईथराम हॉस्पिटल और जुपिटर हॉस्पिटल अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं.

अंगदान में रिकॉर्ड बढ़ोतरी- इन्दौर की ऑर्गन अलोकेशन कमेटी के अनुसार वर्ष 2019 में कुल 77 अंगदान (74 किडनी, 3 लीवर) हुए थे. वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 202 (181 किडनी, 21 लीवर) हो गई. इन्दौर की चिकित्सा सुविधाओं में सुधार के चलते अब देशभर से मरीज यहां प्रत्यारोपण के लिए आ रहे हैं.

नेत्रदान में भी उल्लेखनीय उपलब्धि-पिछले 10 वर्षों में इन्दौर में लगभग 18,000 कॉर्निया संग्रहित किए गए हैं- एम.के. इंटरनेशनल आई बैंक- 15,240, शंकरा आई बैंक: 2,502, एम.वाय. आई बैंक- 256, वर्ष 2025 में एम.वाय. अस्पताल में 62 केराटोप्लास्टी (नेत्र प्रत्यारोपण) किए गए.

सरकारी अस्पतालों में बढ़ती सुविधाएं

सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में अंग प्रत्यारोपण के लिए आधुनिक तकनीकी सुविधाएं विकसित की गई हैं. यहां अब तक 6 लाइव किडनी ट्रांसप्लांट किए जा चुके हैं और लीवर ट्रांसप्लांट की दिशा में प्रयास जारी हैं.

बोन मैरो ट्रांसप्लांट में भी अग्रणी इन्दौर-पिछले 6 वर्षों में एम.वाय. हॉस्पिटल में 140 मरीजों का बोन मैरो ट्रांसप्लांट किया गया है. यह उपचार मुख्यमंत्री सहायता योजना, पीएम केयर फंड और ष्टस्क्रके सहयोग से नि:शुल्क या न्यूनतम शुल्क पर किया गया. मध्यप्रदेश में यह सुविधा फिलहाल केवल इन्दौर में ही उपलब्ध है, जबकि भोपाल और जबलपुर में केंद्र तैयार होने के बावजूद शुरू नहीं हो सके हैं.

प्रतीक्षा सूची और हालिया उपलब्धि

वर्तमान में ब्रेन डेड मरीजों से अंग प्राप्ति के लिए 218 मरीज प्रतीक्षा सूची में हैं, जिनमें, 189 किडनी. 29 लीवर के मरीज शामिल हैं. हाल ही में शुजालपुर निवासी अनुपम नालमे (39 वर्ष) का अंगदान सीएचएल हॉस्पिटल में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ. इसके अलावा शेल्बी हॉस्पिटल में एक ही दिन में दो किडनी ट्रांसप्लांट किए गए, जो राष्ट्रीय स्तर पर सराहनीय उपलब्धि मानी जा रही है.

त्वचा दान में देश में दूसरा स्थान-इन्दौर देश में त्वचा दान के मामले में दूसरे स्थान पर है. चोईथराम हॉस्पिटल द्वारा संचालित स्किन बैंक में अब तक 1039 मृतकों से त्वचा दान प्राप्त हुआ है, जिससे कई मरीजों का उपचार संभव हो सका है.

होलकर साइंस कॉलेज में परीक्षा के दौरान छात्रों का हंगामा, मारपीट कर की तोड़फोड़

इंदौर. भंवरकुआं स्थित होलकर साइंस कॉलेज में आंतरिक परीक्षा के दौरान छात्रों के एक समूह ने हंगामा कर मारपीट और तोड़फोड़ कर दी. घटना से कुछ देर के लिए परीक्षा प्रक्रिया बाधित हो गई.

थाना प्रभारी राजकुमार यादव ने बताया कि बुधवार दोपहर 1 से 2 बजे के बीच कॉलेज की प्रयोगशाला क्रमांक-1 में एमएससी प्रथम वर्ष द्वितीय सेमेस्टर की सीसीई परीक्षा चल रही थी. इसी दौरान करीब 1ः35 बजे 15-20 छात्र जबरन कंप्यूटर लैब में घुस आए. इनमें विकेंद्र, लोकपाल, चमनदीप, अभय गुर्जर सहित अन्य छात्र शामिल बताए जा रहे हैं. आरोप है कि छात्रों ने अंदर घुसते ही अभिषेक जाट नामक छात्र के साथ मारपीट शुरू कर दी. हंगामे के दौरान प्रयोगशाला में रखे सामान के साथ भी तोड़फोड़ की गई, जिससे कॉलेज की संपत्ति को नुकसान पहुंचा. अचानक हुए घटनाक्रम से परीक्षा दे रहे अन्य छात्र भी घबरा गए और कुछ समय के लिए परीक्षा बाधित हो गई. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया. पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा, मारपीट और शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

मामले में प्रिंसिपल अनामिका जैन का कहना है कि ऐसे छात्रों की हमारे कॉलेज में कोई जगह नहीं है. नामजद छात्रों के खिलाफ टर्नीमेंट करने की कार्रवाई की जा रही है. वहीं, वीडियो के आधार पर अन्य छात्रों पर भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

पंजीयन विभाग ने ऐसे पार किया पिछले साल का लक्ष्य

नव भारत न्यूज

इंदौर. इंदौर पंजीयन विभाग ने पिछले साल का लक्ष्य चालू साल में कुछ स्थानों की गाइडलाइन और पावेटक स्टाम्प ड्यूटी बढ़ाकर हासिल किया है. सरकार ने बीच सत्र में लक्ष्य पूरा होता नहीं दिखने के कारण ही स्टाम्प ड्यूटी शुल्क और गाइडलाइन दर बढ़ाई थी. इसका नतीजा है कि 212 करोड़ पिछले साल से ज्यादा राजस्व आय हुई.

प्रदेश सरकार ने इंदौर में चालू वित्तीय वर्ष 25-26 के बीच में शहर के कई क्षेत्रों और स्थानों को गाइडलाइन में जोड़कर दरें बढ़ाई थी. उक्त गाइडलाइन दर बढ़ाने के कारण ही सरकार को 212 करोड़ रुपए ज्यादा मिले है. शासन ने सिर्फ इंदौर शहर में चालू वित्तीय वर्ष के दौरान पॉवर में एक हजार की जगह 5 हजार, रजिस्ट्री संशोधन की दर 1 हजार के स्थान पर 5 हजार, शपथ पत्र में 50 रुपए की जगह 2 सौ रुपए कर दिए थे. उपरोक्त बढ़ोतरी के कारण रजिस्ट्रार कार्यालय पिछले साल का लक्ष्य पर कर पाया. ध्यान रहे कि पिछले साल सरकार को इंदौर पंजीयन कार्यालय से 2528 करोड़ रुपए की आय हुई थी और लक्ष्य 3 हजार करोड़ का था. इसी तरह इस साल शासन ने इंदौर पंजीयन कार्यालय का 3497 करोड़ रुपए लक्ष्य तय किया था, जो 760 करोड़ रुपए कम आया. यह बात अलग है कि पिछले साल का रिकॉर्ड तोड़ने में कामयाब हो गए, लेकिन निर्धारित लक्ष्य को हासिल नहीं कर सके.

एक नजर में ▶ **रैंबो लोरीकिट बर्ड बनेगा नया आकर्षण**

इंदौर चिड़ियाघर में रंग-बिरंगे विदेशी पक्षियों की एंट्री

नवभारत न्यूज़

इंदौर. चिड़ियाघर में दर्शकों के लिए एक नया आकर्षण जुड़ गया है. पहली बार यहां ऑस्ट्रेलिया के दुर्लभ और रंग-बिरंगे 'रैंबो लोरीकिट' पक्षियों के जोड़े लाए जा रहे हैं. ये पक्षी अपनी मल्टीकलर बनावट और चंचल स्वभाव के कारण खास पहचान रखते हैं.

चिड़ियाघर प्रभारी डॉ उत्तम यादव ने बताया कि कुल 20 जोड़े पक्षियों मंगाया गया है, जिनमें से पहले चरण में 10 जोड़े इंदौर पहुंच चुके हैं. इन्हें हैदराबाद से विशेष व्यवस्था के तहत लाया गया है. आने वाले दिनों में बाकी पक्षियों के भी पहुंचने की संभावना है. इन विदेशी पक्षियों को दर्शकों के लिए खास तौर पर तैयार किए गए पीपी मॉडल के बर्ड एवियरी में रखा जाएगा. यह एवियरी आधुनिक सुविधाओं से लैस है और पक्षियों के प्राकृतिक वातावरण को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है. इसका उद्देश्य न केवल पक्षियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, बल्कि दर्शकों को भी एक अनोखा अनुभव देना है. 'रैंबो लोरीकिट' आकार में छोटे होते हैं, लेकिन उनके चमकीले और आकर्षक रंग बच्चों और पर्यटकों को खासा आकर्षित करते हैं. चिड़ियाघर प्रशासन का मानना है कि इन नई प्रजातियों के आने से पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी होगी.

लोगों का रूझान वन्यजीवों की ओर बढ़े

चिड़ियाघर में बर्ड सेंचुरी विकसित करने की योजना के तहत लगातार नए और आकर्षक पक्षियों को लाने की कोशिश की जा रही है, ताकि लोगों का रुझान प्रकृति और वन्यजीवों की ओर बढ़े.

शैक्षणिक और पर्यटन की दृष्टि से अहम पहल-विशेषज्ञों का कहना है कि इन विदेशी पक्षियों के आगमन से बच्चों और युवाओं को विभिन्न प्रजातियों के बारे में जानने का अवसर मिलेगा। स्कूल और कॉलेज के छात्र यहां आकर जैव विविधता और पक्षी संरक्षण के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।